४. हरिद्वार

(क). नीचे दिए गए प्रश्नों के चार विकल्पों में से सही उत्तर चुनिए।

1. भारतेंदु हरिश्चंद्र की हरिद्वार यात्रा किस वर्ष हुई थी?
   - i. 1865 ☐
   - ii. 1901 ☐
   - iii. 1885 ☐
   - iv. 1871 ☐
2. लेखक के अनुसार वृक्ष किसके समान होते हैं?
   - i. साधु-संतों के ☐
   - ii. सैनिकों के ☐
   - iii. राजा के ☐
   - iv. मंदिरों के ☐
3. हरिद्वार के चारों ओर कौन-सी प्राकृतिक संरचना है?
   - i. मरुस्थल ☐
   - ii. हरे-भरे पर्वत ☐
   - iii. जंगल ☐
   - iv. समुद्र ☐
4. लेखक के अनुसार हरिद्वार में कौन मुख्य देवता हैं?
   - i. विष्णु ☐
   - ii. शिव ☐
   - iii. गंगा जी ☐
   - iv. ब्रह्मा ☐
5. लेखक ने वृक्षों की तुलना किससे की है?
   - i. देवता से ☐
   - ii. तपस्वियों से ☐
   - iii. व्यापारी से ☐
   - iv. सिपाही से ☐
6. गंगा जल कैसा प्रतीत होता है?
   - i. ठंडा और मीठा ☐
   - ii. खारा और गर्म ☐
   - iii. कीचड़युक्त ☐
   - iv. गंदा और गरम ☐
7. गंगा की कितनी धाराओं का उल्लेख किया गया है?
   - i. चार ☐
   - ii. दो ☐
   - iii. तीन ☐
   - iv. एक ☐
8. नीलधारा के तट पर किस देवी की मूर्ति है?
   - i. दुर्गा ☐
   - ii. लक्ष्मी ☐
   - iii. पार्वती ☐
   - iv. चण्डिका ☐
9. 'हरि की पैड़ी' क्या है?
   - i. पुल ☐
   - ii. घाट ☐
   - iii. द्वार ☐
   - iv. मंदिर ☐
10. हरिद्वार क्षेत्र के कितने तीर्थ विशेष रूप से बताए गए हैं?
    - i. पाँच ☐
    - ii. सात ☐
    - iii. दस ☐
    - iv. दो ☐

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए।

1. लेखक ने हरिद्वार को _____ भूमि कहा है।
2. हर की पौड़ी _____ के लिए प्रसिद्ध है।

3. वृक्षों की तुलना लेखक ने _____ से की है।
4. लेखक को सबसे अधिक आनंद _____ करते समय आया।
5. गंगा को लेखक ने _____ और _____ का प्रतीक माना है।

(ग) सही कथनों के सामने 'सही' और गलत के सामने 'गलत' लिखिए:

1. लेखक ने हरिद्वार की भूमि को तपोभूमि कहा है। ☐
2. हरिद्वार में गंगा जी के अलावा कई अन्य देवता पूजे जाते हैं। ☐
3. लेखक ने बाजार और दुकानों का सुंदर वर्णन किया है। ☐
4. लेखक ने गंगा नदी के शीतल जल का अनुभव नहीं किया। ☐
5. वृक्षों की छाया को विश्राम का स्थान कहा गया है। ☐

(घ) नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर 2-3 वाक्यों में दीजिए।

1. लेखक को हरिद्वार में प्रवेश करते ही कैसा अनुभव हुआ?
   उत्तर: _____
   _____
2. हरिद्वार की प्राकृतिक सुंदरता का वर्णन कीजिए।
   उत्तर: _____
   _____
3. हर की पौड़ी का महत्व क्या है?
   उत्तर: _____
   _____
4. लेखक ने गंगा के जल का क्या अनुभव किया?
   उत्तर: _____
   _____
5. लेखक ने हरिद्वार को 'तपोभूमि' क्यों कहा?
   उत्तर: _____
   _____
6. हरिद्वार की गंगा नदी को किस उपमा से नवाजा गया है?
   उत्तर: _____
   _____
7. कनखल तीर्थ का पौराणिक संबंध किससे है?
   उत्तर: _____
   _____
8. लेखक किसके घर पर ठहरे थे?
   उत्तर: _____
   _____
9. लेखक ने किस अवसर पर स्नान किया?
   उत्तर: _____

_____

10. लेखक ने भोजन कहाँ पर किया?

उत्तर: _____

_____

(ङ) नीचे दिए गए प्रश्नों के 4-5 वाक्यों में दीजिए।

1. लेखक ने हरिद्वार की यात्रा को आध्यात्मिक और नैतिक दृष्टि से कैसे वर्णित किया है? उदाहरण सहित उत्तर दीजिए।

उत्तर: _____

_____

_____

_____

2. पाठ में प्रयुक्त भाषा शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए। क्या यह शैली आज की भाषा से भिन्न है?

उत्तर: _____

_____

_____

_____

(च) व्याकरण और भाषा अभ्यास

1. नीचे दिए गए शब्दों के पर्यायवाची शब्द लिखिए।

i. शीतल - _____

ii. सुगंध - _____

iii. निवास - _____

iv. क्रोध - _____

v. कुशा - _____

vi. जल - _____

2. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

i. पवित्र X _____

ii. अपमान X _____

iii. निडर X _____

iv. सज्जन X _____

v. स्वच्छ X _____

vi. संतोष X _____

3. नीचे दिए गए संज्ञा से भाववाचक संज्ञा बनाइए।

i. पवित्र - _____

ii. ज्ञानी - _____

iii. सज्जन - _____

iv. तपस्वी - _____

v. सुंदर - _____

vi. देव - _____

4. निम्नलिखित वाक्यों में विशेषण शब्द पहचानकर उनके भेद (गुणवाचक, संख्यावाचक, परिमाणवाचक आदि) लिखिए।

i. हरिद्वार एक पवित्र नगरी है। - _____ _____

ii. गंगा का शीतल जल मन को शांति देता है। - _____ _____

iii. लेखक ने वहाँ के हरे-भरे पर्वतों का वर्णन किया है। - _____ _____

iv. घाट पर अनेक साधु ध्यानमग्न थे। - _____ _____

v. वहाँ की हवा में अद्भुत सुगंध थी। - _____ _____

5. नीचे दिए गए वाक्यों में प्रयुक्त काल पहचानिए।

i. मैं हरिद्वार पहुँचा तो मन आनंद से भर गया। - _____

ii. गंगा के तट पर मैंने स्नान किया। - _____

iii. आज भी वहाँ का दृश्य आँखों के सामने ताज़ा है। - _____

iv. साधु वृक्षों के नीचे ध्यान कर रहे थे। - _____

v. लेखक ने पत्र में हरिद्वार की प्रशंसा की। - _____

6. निम्न वाक्यों को आदरार्थी बहुवचन में बदलिए।

i. वह साधु गंगा में स्नान करता है। - _____

ii. यह लेखक हरिद्वार गया था। - _____

iii. यह संपादक पत्र पढ़ेगा। - _____

Answer

(क) बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर:

1. iv. 1871
2. i. साधु-संतों के
3. ii. हरे-भरे पर्वत
4. iii. गंगा जी
5. ii. तपस्वियों से
6. i. ठंडा और मीठा
7. ii. दो
8. iv. चण्डिका
9. ii. घाट
10. i. पाँच

(ख) रिक्त स्थानों की पूर्ति:

1. पुण्य 2. स्नान 3. तपस्वियों 4. गंगा-स्नान 5. शीतलता, पवित्रता

(ग) सही-गलत:

1. सही 2. गलत 3. सही 4. गलत 5. सही

(घ) लघु उत्तरीय प्रश्न:

1. लेखक को हरिद्वार में प्रवेश करते ही पवित्रता और प्रसन्नता का अनुभव हुआ। उनके मन में वैराग्य और शांति का भाव जाग्रत हुआ।
2. हरिद्वार चारों ओर से हरे-भरे पर्वतों से घिरा है, जहाँ गंगा की शीतल धारा बहती है। वृक्ष, फूल, छाया और सुगंध वातावरण को मनोहारी बनाते हैं।
3. हर की पौड़ी हरिद्वार का प्रमुख घाट है जहाँ श्रद्धालु स्नान कर पवित्रता का अनुभव करते हैं।
4. लेखक को गंगा का जल ठंडा, शुद्ध और मधुर लगा, जिससे मन को पवित्रता और शांति का अनुभव हुआ।
5. हरिद्वार में साधु-संतों की उपस्थिति, शांत वातावरण और धार्मिकता की प्रधानता इसे तपोभूमि बनाते हैं।
6. गंगा को लेखक ने शीतलता, पवित्रता और मोक्षदायिनी नदी के रूप में प्रस्तुत किया है।
7. कनखल तीर्थ का संबंध दक्ष प्रजापति द्वारा शिवजी के यज्ञ में अपमान से है।
8. लेखक अपने मित्र दीवान रामु के यहाँ ठहरे थे।
9. लेखक ने ग्रहण के दिन गंगा में स्नान किया।
10. लेखक ने गंगा तट पर पेड़ के नीचे बैठकर सादा परंतु संतोषजनक भोजन किया।

(ङ) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

1. लेखक ने हरिद्वार की यात्रा को अत्यंत आध्यात्मिक और नैतिक अनुभव बताया है। वहाँ का शांत, शुद्ध और प्राकृतिक वातावरण उन्हें वैराग्य और आत्मिक आनंद देता है। उन्होंने साधुओं, वृक्षों और गंगा के जल की विशेषताओं को तपस्वियों जैसा बताया। गंगा स्नान और वहाँ की अनुभूति उन्हें जीवनभर याद रहने योग्य लगी।
2. इस पाठ की भाषा भावपूर्ण, संस्कृतनिष्ठ और पुरानी हिंदी की शैली में है। इसमें आदरार्थी बहुवचन, तद्भव-तत्सम शब्दों का सुंदर प्रयोग है। यह शैली आज की साधारण भाषा से अधिक साहित्यिक और गम्भीर है। यह यात्रा-वृत्तांत शैली का एक अनुपम उदाहरण है।

(च) व्याकरण और भाषा अभ्यास:

1. समानार्थी शब्द:

i. ठंडा ii. महक iii. आवास iv. गुस्सा v. घास vi. नीर

2. विलोम शब्द:

i. अपवित्र ii. सम्मान iii. डरपोक iv. दुर्जन v. गंदा vi. असंतोष

3. वाक्य प्रकार:

i. पवित्रता ii. ज्ञान iii. सज्जनता iv. तपस्या v. सुंदरता vi. दिव्यता / देवत्व

4. विशेषण और उनके भेद:

वाक्य	विशेषण	भेद
i. हरिद्वार एक पवित्र नगरी है।	पवित्र	गुणवाचक
ii. गंगा का शीतल जल मन को शांति देता है।	शीतल	गुणवाचक
iii. वहाँ के हरे-भरे पर्वतों का वर्णन किया है।	हरे-भरे	गुणवाचक
iv. घाट पर अनेक साधु ध्यानमग्न थे।	अनेक	संख्यावाचक
v. वहाँ की हवा में अद्भुत सुगंध थी।	अद्भुत	गुणवाचक

5. काल पहचानिए:

i. भूतकाल ii. भूतकाल iii. वर्तमान काल iv. भूतकाल v. भूतकाल

6. आदरार्थी बहुवचन:

i. वह साधु गंगा में स्नान करता है।

➡ वे साधु गंगा में स्नान करते हैं।

ii. यह लेखक हरिद्वार गया था।

➡ ये लेखक हरिद्वार गए थे।

iii. यह संपादक पत्र पढ़ेगा।

➡ ये संपादक पत्र पढ़ेंगे।